प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''वहन करने योग्य स्वास्थ्य देखभाल''

लोगो को गुणवत्ता के साथ स्वास्थ्य उपलब्ध कराना वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण अवश्यकता है। हाल के दिनों मे भारत नें उच्च चिकित्सा व्यवस्था की उन्नति की है, ''प्रगति के बावजूद भारत अभी भी स्वास्थ्य के छेत्र में पिछड़ रहा है।

आज दिनांक 24 मार्च 2018 को ट्रॉमा सर्जरी विभाग, केजीएमयू और एसोसिएशन ऑफ रिसर्च प्रोफेशनल द्वारा एक दिवसीय **''वहन करने योग्य स्वास्थ्य देखभाल''** विषय पर राष्ट्री संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. संदीप तिवारी, प्रभारी ट्रॉमा सेण्टर एवं विभागाध्यक्ष, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, के.जी.एम.यू. द्वारा अपने स्वागत सम्बोधन में कहा गया कि **''भारतीयों की गतिहीन जीवन शैली को बदलना है, और इसके लिए डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को लोगों को शिक्षित करना चाहिए।''** स्वास्थ्य देखभाल सेवा और सुविधा से संबंधित जागरूकता एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सस्ता और सुलभा बनाना प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। प्रो0 तिवारी ने कहा कि '' चिकित्सकों के लिए सबसे दुखद पल रोगी को यह बताना होता है कि उनकी बीमारी इलाज योग्य है किन्तु रोगी उसका उपचार कराने में असमर्थ है।''

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मा.कुलपति के.जी.एम.यू., प्रो. मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने अपने उद्बोद्धन में कहा कि वहन करने योग्य स्वास्थ्य देखभाल के साथ ही साथ गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल होना चाहिए। समाज के सभी व्यक्तियों का जीवन समान है इसलिए समाज के अंतीम छोर के व्यक्ति को भी उच्च गुणवत्ता परक चिकित्सा मिलनी चाहिए। किन्तु हेल्थ केयर में सबसे बड़ी बाधा है गरीबी। देश में प्रत्येक वर्ष 3 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य समस्याओं के चलते गरीबी रेखा के निचे चले जाते है जबकि उतने ही लोग देश में औद्योगिक विकास के साथ गरीबी रेखा के ऊपर प्रत्येक वर्ष पहुंचते है। इस प्रकार स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी गरीबी उन्मूलन में बाधा उत्पनन्न हो रही है। उत्तर प्रदेश में प्रत्येक वर्ष करीब 6 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य समस्याओं पर किए गये व्यय के चलते प्रत्येक वर्ष गरीबी रेखा के निचे चले जाते है। आयुष्मान इण्डिया कार्यक्रम के तहत 10 करोड़ लोगो के लिए 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य बिमा किया जाएगा जिससे समाज के उन गरीब से गरीब लोगो को भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी। यह योजना समाज से गरीबी उन्मूलन का कार्य भी करेगी क्यूकि बहुत से लोग केवल बीमारी के चलते गरीबी रेखा के निचे चले जाते है। किन्तु इसके साथ साथ हमें स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के संदर्भ में भी ध्यान देना होगा। आज का समाज आधुनिक जीवनशैली और कम शारीरिक कार्य की वजह से विभिन्न प्रकार के लाइफस्टाइल से सम्बंधित रोगो से ग्रसित होता जा रहा है। आज का युवा फॉस्ट फूड का सेवन बहुत ज्यादा करता है इसके साथ ही साथ उनका शारीरिक श्रम न के बराबर है, रात में कम सोना आदि उसकी आदत बन गई है। हम एक ट्रॉपिकल देश में निवास करते है इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करना चाहिए जिससे गुर्दे से सम्बंधित बीामरियों से बचा जा सके । हमे अपने भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले फल, सब्जियों का सेवन करना चाहिए और नियमित व्यायाम करना चाहिए।

कार्यक्रम में बलमरामपुर चिकित्सालय के निदेशक डॉ. राजीव लोचन ने कहा की ''वहन करने योग्य स्वास्थ्य देखभाल'' आज के समय का सबसे महत्वपूर्ण विषय है। मा. प्रधान मंत्री जी

द्वारा अफोर्डेबल हेल्थ केयर के तौर पर गरीबी रेखा के निचे जीने वाले 10 करोड़ लोगो के लिए 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। इस बीमा से समाज के गरीब लोगो की वास्तव में सेवा की जा सकेगी। आज लगातार तमाम तरह की बीमारियां बढ़ती जा रही है जिसके उपचार में बड़ा खर्च आता है। सरकारी कर्मचारीयों के लिए सरकार द्वारा हेल्थ कार्ड लाया जा रहा है। इन सब प्रयासों से वास्तव में यह धरती स्वर्ग जैसी हो जायेगी। हेल्थ केयर सुविधा समाज के सभी लोगो के लिए निःशुल्क होना चाहिए।

कार्यक्र में आर.एस. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, स्टॉर हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनी द्वारा कहा गया की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हेल्थ केयर क्षेत्र में यह योजना एक बड़ी योजना है। गारंटी फ्री हेल्थ केयर सर्विस के तहत सभी अस्पतालों द्वारा गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगो को, कैंसर, गुर्दा रोग, दिल के रोग जैसे असाध्य रोगे के लिए सभी अस्पतलों द्वारा निःशुल्क उपचार मुहैया कराया जा रहा है। किन्तु आबादी के बढ़ने के साथ ही साथ गरीबी रेखा के निचे के मरीजो को एंव विभिन्न आसाध्य रोगो के मरीजो को उपचार उपलब्ध कराना कठीन होता जा रहा है। विभिन्न बीमा कम्पनियों द्वारा हेल्थ बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है किन्तु उनके द्वारा ओ.पी. डी. के मरीजो के लिए कोई बीमा नही उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत सरकार की इस बीमा योजना के तहत ओ.पी.डी. के मरीजो को भी कभर किया जायेगा।

उपरोक्त कार्यक्रम मे प्रो. विनीता दास, अधिष्ठाता, चिकित्सा संकाय, के.जी.एम.यू, प्रो. एस.एन. शंखवार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. विजय कुमार, चिकित्सा अधीक्षक के.जी.एम.यू. सहित चिकत्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रायोजन और स्वास्थ्य देखभाल संस्थान/संगठन के रूप में स्टार हैल्थ इंश्योरेंस जैसे प्रमुख बीमा कंपनियों के लोगो सहित कार्यक्रम के लिए लगभग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया है।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य कम लागत वाली स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाना और भारत में असीमित स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम की कमी और उच्च प्रीमियम को उठाने के लिए संघर्ष जैसे कई मुद्दे थे।

प्रो. संदीप तिवारी
विभागाध्यक्ष,
ट्रॉमा सर्जरी विभाग